



SET-2

Series JBB/4

कोड नं. 3/4/2

रोल नं.

--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 7 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

## हिन्दी (अ)

### HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

#### सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- प्रश्न-पत्र चार खण्डों में विभाजित किया गया है — क, ख, ग एवं घ। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- खण्ड क में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं।
- खण्ड ख में प्रश्न संख्या 2 से 5 तक प्रश्न व्याकरण के हैं।
- खण्ड ग में प्रश्न संख्या 6 से 10 तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं।
- खण्ड घ में प्रश्न संख्या 11 से 13 तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं।
- यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए।
- प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है। तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। ऐसे प्रश्नों में से केवल एक ही विकल्प का उत्तर लिखिए।
- इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।



## खण्ड क

### 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भूख से मरते बेकार लोगों का परमेश्वर तो कोई काम और उससे मिलने वाली रोटी ही है । उनके लिए परमेश्वर का यही एकमात्र स्वीकार्य रूप हो सकता है । ईश्वर ने मानव की सृष्टि काम करके अपना भोजन जुटाने के लिए की । जो काम नहीं करते वे एक प्रकार के चोर हैं । भारत में आज भी अनेक लोगों को लाचारीवश ही सही, आधे साल तक चोरों का सा जीवन बिताना पड़ता है । फिर क्या आश्चर्य यदि भारत आज एक विशाल कारागार बन गया है ? भूख ही वह कारण है जो भारत को चरखे की ओर लिए जा रहा है । चरखे की पुकार सबसे उदात्त, सबसे मीठी है । कारण, यह प्रेम की पुकार है । और प्रेम ही स्वराज है । अगर हमारे करोड़ों देशवासियों को अपने बेकार समय का उपयोग करना नहीं आता तो उनके लिए स्वराज का कोई मतलब नहीं है । इस स्वराज को थोड़े समय में प्राप्त करना संभव है और इसका एकमात्र उपाय यह है कि हम फिर से चरखे की शरण में जाएँ ।

मैं विकास चाहता हूँ, आत्म-निर्णय का अधिकार चाहता हूँ, स्वतंत्रता भी चाहता हूँ, लेकिन सब-कुछ आत्मा की खातिर चाहता हूँ । मुझे तो इसमें शक है कि मानव लौह-युग में प्रस्तर युग से सचमुच आगे बढ़ा है । मैं इस ओर से उदासीन हूँ । हमें अपनी बौद्धिक शक्ति और अन्य सभी शक्तियों का उपयोग आत्मा के विकास के लिए करना है । आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से सम्पन्न किसी व्यक्ति के बारे में मैं आसानी से सोच सकता हूँ कि वह मानव-जाति के लिए कोई स्थायी और नया आविष्कार कर सकता है, वह ईश्वर का नित नवीन गुण-गान करते हुए इस दुख-संतप्त धरित्री को शांति और सद्भावना का संदेश दे सकता है । लोगों से चरखा अपनाने के लिए कहने का मतलब है श्रम की गरिमा का स्वीकार । चरखे को उसके गौरवपूर्ण स्थान से विदेशी वस्त्रों के प्रति हमारे आकर्षण ने ही दूर किया है । इसलिए मैं विदेशी वस्त्र पहनना पाप मानता हूँ ।

- |   |   |
|---|---|
| (क) चोर किसे कहा गया है और क्यों ?                                  | 2 |
| (ख) आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से सम्पन्न व्यक्ति क्या-क्या कर सकता है ?  | 2 |
| (ग) स्वराज प्राप्ति के लिए किसकी शरण की बात की जा रही है और क्यों ? | 2 |
| (घ) आत्मा की खातिर कौन-सी चीजें चाहिए ?                             | 2 |
| (ङ) लेखक की दृष्टि में विशाल कारागार क्या है ?                      | 1 |
| (च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।                 | 1 |



## खण्ड ख

- 2.** निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×4=4*
- (क) इन खबरों से हिन्दुस्तान में सनसनी फैल रही थी । (मिश्र वाक्य में बदलिए)
  - (ख) इंडिया गेट के सामने जो जॉर्ज पंचम की लाट थी, उसकी नाक ग़ायब हो गई ।  
(आश्रित उपवाक्य और उसका भेद लिखिए)
  - (ग) मुड़कर देखा तो अवाकू रह गए । (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)
  - (घ) बीज इकट्ठा हो तो सूरजमुखी की खेती की जाए । (सरल वाक्य में बदलिए)
- 3.** निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन करके लिखिए : *1×4=4*
- (क) आओ, बैठा जाए । (कर्तृवाच्य में)
  - (ख) अब चलें । (भाववाच्य में)
  - (ग) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया । (कर्मवाच्य में)
  - (घ) उन्होंने हमें बुलाया । (कर्मवाच्य में)
- 4.** निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*
- (क) यह कविता अच्छी है या बुरी; इससे मुझे मतलब नहीं है ।
  - (ख) इसी में से वह विवशता जागी ।
  - (ग) सहसा एक चमत्कार, सूर्य उदित हुआ ।
  - (घ) भगत ने अपनी पतोहू को उसके भाई के साथ विदा किया ।
- 5.** निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*
- (क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर रस का नाम लिखिए :  
“माँ ओ’ कह कर बुला रही थी मिट्टी खाकर आई थी ।  
कुछ मुँह में कुछ लिए हाथ में मुझे खिलाने आई थी ॥”
  - (ख) करुण रस का एक उदाहरण लिखिए ।
  - (ग) ‘आलंबन’ को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
  - (घ) ‘उत्साह’ किस रस का स्थायी भाव है ?
  - (ङ) ‘गोपियों की विरह दशा’ के भाव किस रस के अंतर्गत आते हैं ?



## खण्ड ग

**6.** निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :  $2 \times 3 = 6$

एक बार कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिताजी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे खिलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए ? पत्र पढ़ते ही पिताजी आग-बबूला । यह लड़की मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रखेगी ... पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर ! चार बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया । गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गए थे । लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गई । माँ को कह दिया कि लौटकर बहुत कुछ गुबार निकल जाए, तब बुलाना । लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो खुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ ।

- (क) ‘आग-बबूला’ का आशय समझाते हुए लिखिए कि पिताजी के आग-बबूला होने के क्या कारण रहे होंगे ।
- (ख) पिताजी लौटकर खुश क्यों थे और उन्होंने अपनी प्रसन्नता को कैसे व्यक्त किया ?
- (ग) माता-पिता का ऐसा भय बच्चों के विकास के लिए अनुचित क्यों है ? तर्क सहित लिखिए ।

**7.** निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग  $30 - 40$  शब्दों में लिखिए :  $2 \times 4 = 8$

- (क) ‘लखनवी अंदाज़’ के लेखक ने नवाब साहब के सामने बैठ आँखें क्यों चुरा लीं ?
- (ख) ‘बालगोबिन भगत’ पाठ के आधार पर धान की रोपनी के दृश्य का वर्णन कीजिए ।
- (ग) ‘नौबतखाने में इबादत’ के आलोक में लिखिए कि समय के साथ काशी की संस्कृति किस प्रकार बदल गई ।
- (घ) “हालदार साहब आते-जाते हुए नेताजी की मूर्ति पर चश्मा देख प्रसन्न और उसे न देख दुखी होते थे पर उन्होंने स्वयं कोई कदम नहीं उठाया ।” इस कथन से आपके मन में हालदार साहब के प्रति क्या विचार उभरते हैं ? आप उनकी जगह होते तो क्या करते ?
- (ङ) “नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है” – इसके माध्यम से लेखक क्या अभिव्यक्त करना चाहता है ?



**8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

$2 \times 3 = 6$

लड़की अभी सयानी नहीं थी  
अभी इतनी भोली सरल थी  
कि उसे सुख का आभास तो होता था  
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था  
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की  
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की  
  
माँ ने कहा पानी में झाँक कर  
अपने चेहरे पर मत रीझना  
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है  
जलने के लिए नहीं  
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह  
बंधन हैं स्त्री जीवन के ।

- (क) काव्य-पंक्तियों में ‘सयानी’ और ‘भोली’ शब्द आए हैं । लड़की के संदर्भ में इनके अर्थ स्पष्ट कीजिए ।
- (ख) माँ ने लड़की को कौन-कौन सी सीख दी ? उनके पीछे क्या कारण था ?
- (ग) “पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की  
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की” – लड़की के लिए यह कहने का क्या आशय है ? इन पंक्तियों से उसका कैसा चित्र उभरता है ?

**9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए :**

$2 \times 4 = 8$

- (क) “अल्पवयस बालक बुजुर्गों को छेड़कर आनंदित होते हैं” – ‘राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद’ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- (ख) ‘हरि हैं राजनीति पढ़ि आए’ – में राजनीति से कृष्ण की किस नीति की ओर गोपियों ने व्यंग्य किया है और क्यों ?
- (ग) ‘संगतकार’ कविता में मुख्य गायक के संदर्भ में ‘नौसिखिया’ का प्रयोग क्यों हुआ है ? स्पष्ट करके लिखिए ।
- (घ) ‘शेफालिका के फूल झरने’ का भाव ‘यह दंतुरित मुसकान’ कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।
- (ङ) प्रकृति की शोभा-श्री फागुन में कैसे अपना रंग-रूप बदलती है ? ‘अट नहीं रही है’ कविता के आधार पर लिखिए ।



- 10.** निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : 3×2=6
- (क) नई दिल्ली के कायापलट होने का क्या आशय है ? वह किस प्रकार होने लगा और उसमें कौन-सी बाधा थी ? ‘जॉर्ज पंचम की नाक’ पाठ के आधार पर लिखिए ।
- (ख) “बच्चा चाहे किसी के साथ कितना भी घुल-मिलकर रहे पर भय और दुख की घड़ी में माँ की गोद में ही सुरक्षित महसूस करता है ।” ‘माता का अँचल’ पाठ के संदर्भ में इस पर टिप्पणी कीजिए ।
- (ग) ‘साना-साना हाथ जोड़ि’ में प्रदूषण के कारण पहाड़ों पर आए किन परिवर्तनों की बात की गई है ? पहाड़ पर यात्रा के दौरान हम प्रदूषण न फैलाने में कैसे योगदान दे सकते हैं ?

### **खण्ड घ**

- 11.** निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 – 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10
- (क) आधुनिक जीवन-शैली और स्वास्थ्य
- जीवन-शैली में आ रहे परिवर्तन
  - स्वास्थ्य का महत्व
  - जीवन-शैली का स्वास्थ्य पर प्रभाव
- (ख) विकास की देन – दूषित पर्यावरण
- प्रकृति, पर्यावरण की आवश्यकता
  - मनुष्य की जवाबदेही
  - विकास की आधुनिक अवधारणा में पर्यावरण
- (ग) ‘पर उपदेश कुशल बहुतेरे’
- उपदेश से तात्पर्य
  - उपदेश और आचरण
  - उपदेश महत्वपूर्ण अथवा आचरण



12. 'स्वच्छता अभियान' के कारण लोगों के व्यवहार और मानसिकता में आए परिवर्तन पर अपने विचार प्रकट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

5

### अथवा

दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् आप व्यावसायिक विषय लेना चाहते हैं, जबकि आपके माता-पिता विज्ञान के लिए उत्सुक हैं । अपने विषय-चयन के पीछे अपनी रुचि आदि का उचित कारण बताते हुए पिता को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

5

13. "प्रकृति की रक्षा से धरती और मानव-जाति की रक्षा संभव है" – इस विषय पर लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

5

### अथवा

पर्यावरण की शुद्धता के लिए सरकार की ओर से सार्वजनिक वाहनों के उपयोग की अपील करते हुए लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

5